ऊँ गं गणपतये नमः

शुभ 卐 लाभ

जन्मपत्रिका

Amit

Pt. Dr. Gyanendra Sharma (L.Expert-1025)
+91-730-226-8898
Dev Astro, Dev Poojanam, Bareilly, U.P., 243003
[www.devpoojanam.com] [devpoojanam@gmail.com]

सूचना

ज्योतिष एक विज्ञान है जिसके अंतर्गत ग्रहों का मानव जीवन पर पड़ने वाले प्रभावों का अध्ययन किया जाता है। इसके प्रभावों की भविष्यवाणी करने हेतु ग्रहों की स्थिति एवं इसके बल की गणना की जाती हैं। जन्मपत्रिकाओं की गणना अति सटीक है जिसमें बिल्कुल सही रेखांश प्रयुक्त हुए हैं। सामान्य तौर पर इसमें चित्रापक्षीय अयनांश का प्रयोग किया जाता है जबतक कि आप दूसरे अयनांश का विकल्प न मांगें।

कम्प्यूटर जन्मपत्रिकाएं मुख्य रूप से पाराशरी पद्धति पर आधारित है। हालांकि इसमें ताजिक पद्धति, जैमिनी पद्धति, कृष्णमूर्ति पद्धति, प्रश्नशास्त्र एवं पाश्चात्य पद्धतियों का भी ज्योतिषीय गणना में मिश्रण किया गया है। फलादेश मुख्य रूप से विभिन्न प्राचीन शास्त्रों जैसे बृहत् पराशर, होराशास्त्र, मानसागरी, सारावली, जातकभरणम, बृहत् जातक, फलदीपिका, जातक पारिजात के अनुरूप, साथ ही अपने अनुभवों का भी समावेश करके बनाया गया है। फिर भी, ज्योतिष का मार्गदर्शन लेकर हम अपने भविष्य का संकेत मात्र प्राप्त कर सकते हैं। सिर्फ सृष्टि के निर्माता ब्रह्मा ही यह भविष्यवाणी कर सकते हैं कि आनेवाले समय में क्या घटित होगा?

यह जन्मपत्रिका जन्म तिथि, जन्म समय एवं जन्म स्थान पर आधारित है जो कि जातक ने हमें उपलब्ध कराया है। अतः आंकड़ों की सटीकता से संबंधित हमारी कोई जिम्मेवारी नहीं है। ज्योतिषीय गणना एवं फलादेश जातक द्वारा उपलब्ध कराए गए विवरण के ऊपर आधारित है। जन्मपत्रिका में दिए गए फलादेश जातक के लिए सिर्फ संकेत मात्र है जिस पर जातक को सावधानीपूर्वक अमल करना चाहिए न कि हूबहू जैसा फलादेश में कहा गया है, बिना सोचे समझे उसे अपने जीवन में लागू करने की कोशिश करनी चाहिए। जन्मपत्रिका के विभिन्न पृष्ठों में दी गयी सूचनाएं किसी भी प्रकार के विवाद अथवा वैधानिक कार्यवाही के लिए उपयुक्त नहीं है। अतः जातक की स्वयं की कार्यवाही से उत्पन्न हुए किसी भी क्षति के लिए हम उत्तरदायी नहीं है।

Model: Y4

SrNo: 112-122-101-1025 / 110 Date: 09/10/2023

पुल्लिंग	लिंग	पुल्लिंग
01/01/2000	जन्म तिथि	**01/01/2023**
शनिवार	दिन	रविवार
घंटे 09:56:00	जन्म समय	07:31:11 घंटे
घटी 06:50:24	जन्म समय(घटी)	00:48:00 घटी
India	देश	India
Mumbai	स्थान	Mumbai
उत्तर 18:58:00	अक्षांश	18:58:00 उत्तर
पूर्व 72:50:00	रेखांश	72:50:00 पूर्व
पूर्व 82:30:00	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:38:40	स्थानिक संस्कार	-00:38:40 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:11:50	सूर्योदय	07:11:59
18:12:07	सूर्यास्त	18:12:23
23:51:11	चित्रपक्षीय अयनांश	24:10:31

मकर	लग्न	धनु
शनि	लग्न लग्नाधिपति	गुरु
तुला	राशि	मेष
शुक्र	राशि–स्वामी	मंगल
स्वाति	नक्षत्र	अश्विनी
राहु	नक्षत्र स्वामी	केतु
3	चरण	4
सुकर्मा	योग	सिद्ध
विष्टि	करण	गर
रो–रोहित	जन्म नामाक्षर	ला–लक्ष्मी
मकर	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मकर
शूद्र	वर्ण	क्षत्रिय
मानव	वश्य	चतुष्पाद
महिष	योनि	अश्व
देव	गण	देव
अन्त्य	नाड़ी	आद्य
मृग	वर्ग	मृग
23	गत / तत्कालिक वर्ष	24

Pt. Dr. Gyanendra Sharma (L.Expert-1025)
+91-730-226-8898
Dev Astro, Dev Poojanam, Bareilly, U.P., 243003
[www.devpoojanam.com] [devpoojanam@gmail.com]

जन्म – विवरण

नक्षत्र	पद	अंश	राशि	व	अ	ग्रह	व	अ	राशि	अंश	पद	नक्षत्र
धनिष्ठा	2	28:18:11	मक			लग्न			धनु	19:57:05	2	पूर्वाषाढ़ा
पूर्वाषाढ़ा	1	16:11:40	धनु			सूर्य			धनु	16:11:40	1	पूर्वाषाढ़ा
स्वाति	3	15:40:23	तुला			चंद्र			मेष	10:32:39	4	अश्विनी
धनिष्ठा	4	03:51:56	कुंभ			मंगल	व		वृष	14:52:37	2	रोहिणी
मूल	3	07:32:45	धनु		अ	बुध	व		धनु	29:28:59	1	उत्तराषाढ़ा
अश्विनी	1	01:23:14	मेष			गुरु			मीन	07:01:40	2	उ०भाद्रपद
अनुराधा	2	07:19:53	वृश्चि			शुक्र			मक	03:18:46	2	उत्तराषाढ़ा
भरणी	1	16:32:56	मेष	व		शनि			मक	28:15:07	2	धनिष्ठा
पुष्य	3	10:06:59	कर्क	व		राहु			मेष	17:34:45	2	भरणी
श्रवण	1	10:06:59	मक	व		केतु			तुला	17:34:45	4	स्वाति
श्रवण	4	20:56:25	मक			मु		अ	धनु	28:18:11	1	उत्तराषाढ़ा

वर्ष – विवरण

व – वक्री स – स्थिर
अ – अस्त पू – पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:10:31

लग्न–चलित

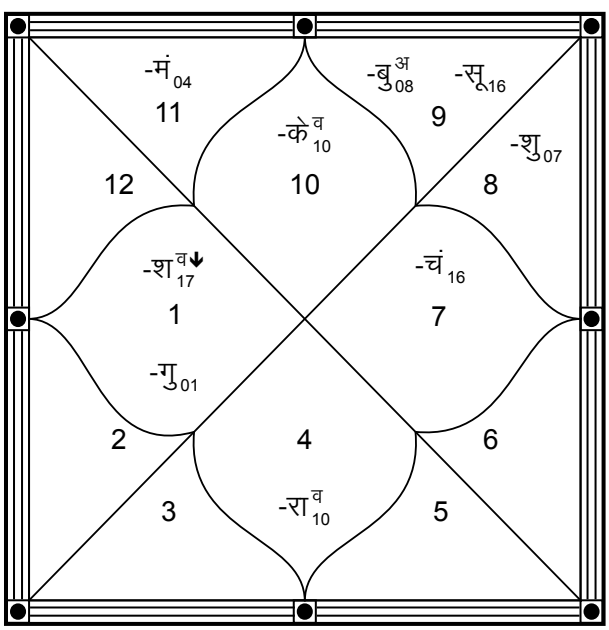

वर्ष लग्न कुंडली

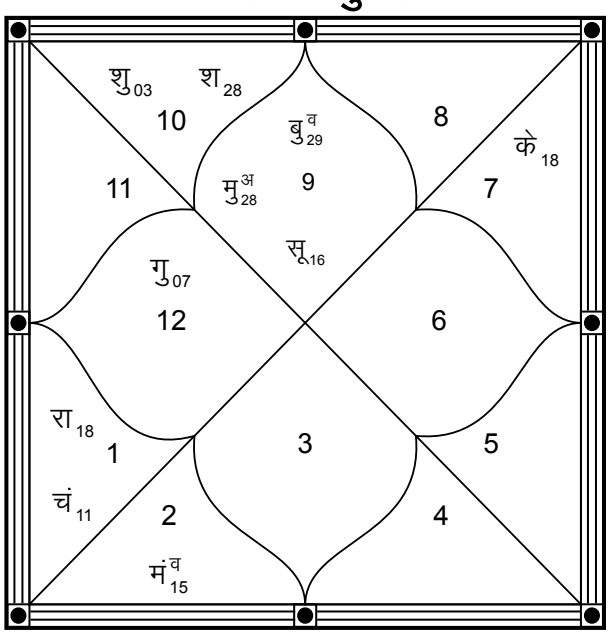

Pt. Dr. Gyanendra Sharma (L.Expert-1025)
+91-730-226-8898
Dev Astro, Dev Poojanam, Bareilly, U.P., 243003
[www.devpoojanam.com] [devpoojanam@gmail.com]

चन्द्र कुंडली

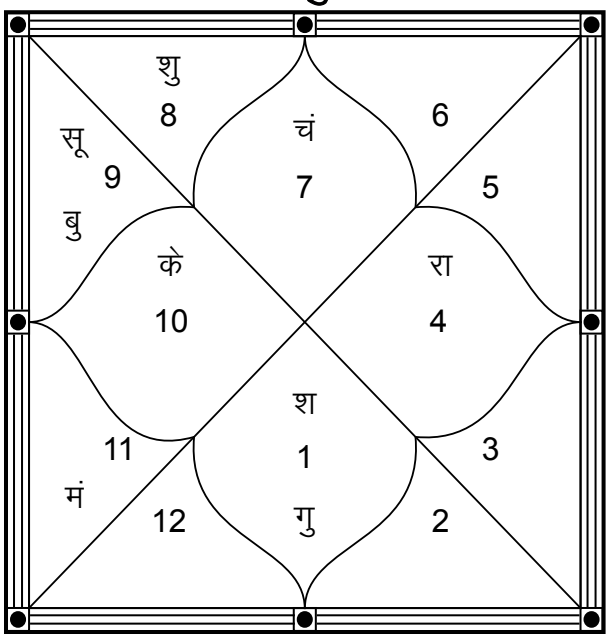

वर्ष चन्द्र कुंडली

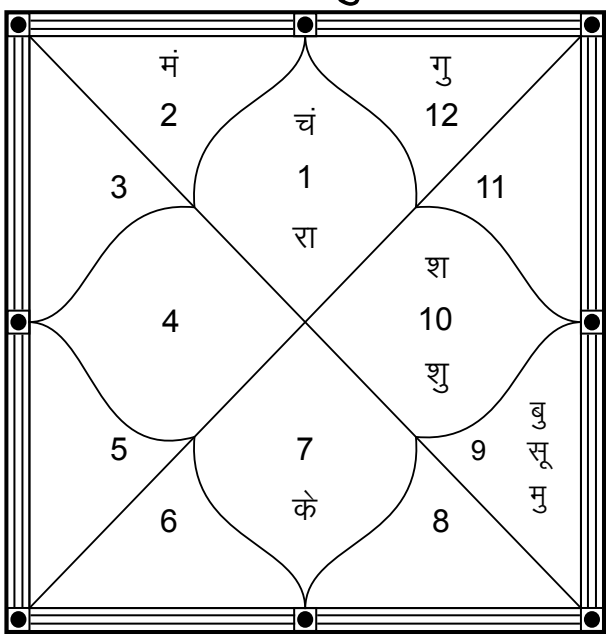

नवमांश कुंडली

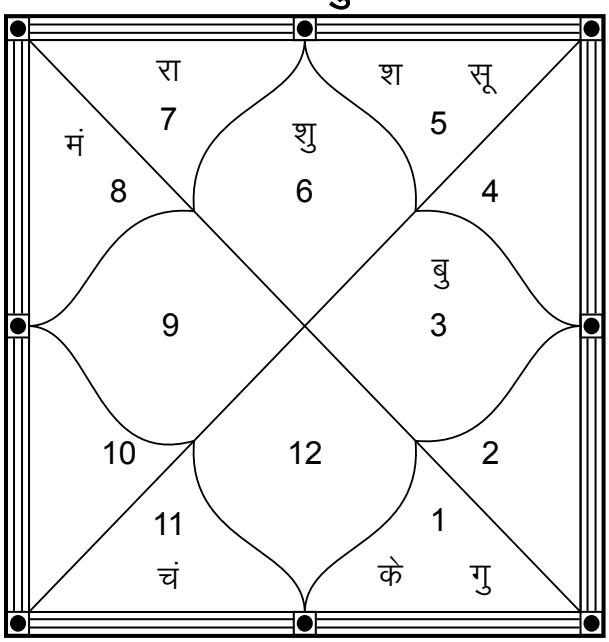

वर्ष नवमांश कुंडली

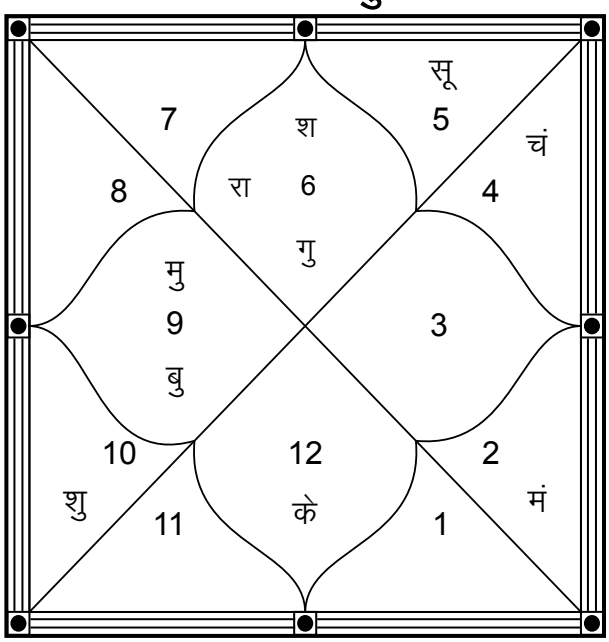

Pt. Dr. Gyanendra Sharma (L.Expert-1025)
+91-730-226-8898
Dev Astro, Dev Poojanam, Bareilly, U.P., 243003
[www.devpoojanam.com] [devpoojanam@gmail.com]

मैत्री सारिणी

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
सूर्य	–––	मित्र	सम	शत्रु	शत्रु	सम	सम
चन्द्र	मित्र	–––	सम	मित्र	सम	शत्रु	शत्रु
मंगल	सम	सम	–––	सम	मित्र	मित्र	मित्र
बुध	शत्रु	मित्र	सम	–––	शत्रु	सम	सम
गुरु	शत्रु	सम	मित्र	शत्रु	–––	मित्र	मित्र
शुक्र	सम	शत्रु	मित्र	सम	मित्र	–––	शत्रु
शनि	सम	शत्रु	मित्र	सम	मित्र	शत्रु	–––

द्वादशवर्ग सारिणी

	लग्न	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
राशि	धनु	धनु	मेष	वृष	धनु	मीन	मक	मक
होरा	कर्क	कर्क	सिंह	कर्क	कर्क	कर्क	कर्क	सिंह
द्रेष्काण	कर्क	कर्क	सिंह	कर्क	कुंभ	मक	मीन	सिंह
चतुर्थांश	मिथु	मिथु	कर्क	सिंह	कन्या	मीन	मक	तुला
पंचमांश	मिथु	धनु	कुंभ	मीन	तुला	कन्या	वृष	वृश्चि
षष्ठांश	कर्क	कर्क	मिथु	धनु	कन्या	वृश्चि	तुला	मीन
सप्तमांश	मेष	मीन	मिथु	कुंभ	मिथु	तुला	कर्क	मक
अष्टमांश	तुला	कन्या	मिथु	वृश्चि	धनु	मिथु	मेष	वृश्चि
नवमांश	कन्या	सिंह	कर्क	वृष	धनु	कन्या	मक	कन्या
दशमांश	मिथु	वृष	कर्क	वृष	कन्या	मक	तुला	मिथु
एकादशांश	मिथु	मेष	मिथु	कन्या	कन्या	मेष	मक	तुला
द्वादशांश	कर्क	मिथु	सिंह	तुला	वृश्चि	वृष	कुंभ	धनु

द्वादशवर्गीय बल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
राशि	शत्रु	सम	मित्र	शत्रु	स्व	शत्रु	स्व
होरा	मित्र	मित्र	सम	मित्र	सम	शत्रु	सम
द्रेष्काण	मित्र	मित्र	सम	सम	मित्र	मित्र	सम
चतुर्थांश	शत्रु	स्व	सम	स्व	स्व	शत्रु	शत्रु
पंचमांश	शत्रु	शत्रु	मित्र	सम	शत्रु	स्व	मित्र
षष्ठांश	मित्र	मित्र	मित्र	स्व	मित्र	स्व	मित्र
सप्तमांश	शत्रु	मित्र	मित्र	स्व	मित्र	शत्रु	स्व
अष्टमांश	शत्रु	मित्र	स्व	शत्रु	शत्रु	मित्र	मित्र
नवमांश	स्व	स्व	मित्र	शत्रु	शत्रु	शत्रु	सम
दशमांश	सम	स्व	मित्र	स्व	मित्र	स्व	सम
एकादशांश	सम	मित्र	सम	स्व	मित्र	शत्रु	शत्रु
द्वादशांश	शत्रु	मित्र	मित्र	सम	मित्र	शत्रु	मित्र
शुभ	4	10	8	6	8	5	6
सम	2	1	4	3	1	0	4
अशुभ	6	1	0	3	3	7	2
कुल	अशुभ	शुभ	शुभ	शुभ	शुभ	अशुभ	शुभ

हर्ष बल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
प्रथम बल	0	0	5	5	0	0	0
द्वितीय बल	0	0	0	0	5	0	5
तृतीय बल	0	0	5	5	5	5	5
चतुर्थ बल	5	0	5	0	5	0	0
कुल	5	0	15	10	15	5	10
बल	**क्षीण**	**अतिक्षीण**	**बली**	**सामान्य**	**बली**	**क्षीण**	**सामान्य**

पंचवर्गीय बल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
क्षेत्रीय बल	7.50	15.00	22.50	7.50	30.00	7.50	30.00
उच्च बल	7.35	17.50	8.12	8.39	6.89	10.70	9.08
हददा बल	3.75	3.75	11.25	7.50	11.25	7.50	11.25
द्रेष्काण	7.50	7.50	5.00	5.00	7.50	7.50	5.00
नवमांश	5.00	5.00	3.75	1.25	1.25	1.25	2.50
कुल	31.10	48.75	50.62	29.64	56.89	34.45	57.83
विंशोपक	7.78	12.19	12.66	7.41	14.22	8.61	14.46
बल	**सामान्य**	**शुभ**	**शुभ**	**सामान्य**	**शुभ**	**सामान्य**	**शुभ**

वर्षेश निर्णय

स्वामित्व	ग्रह	बल	लग्न पर दृष्टि	वर्षेश
जन्म लग्नाधिपति	शनि	14.46	दृष्टि नहीं	
वर्ष लग्नाधिपति	गुरु	14.22	अशुभ	
मुन्था लग्नाधिपति	गुरु	14.22	अशुभ	**गुरु**
दिवापति	गुरु	14.22	अशुभ	
त्रिराशिपति	शनि	14.46	दृष्टि नहीं	

सहम

सहम जीवन की महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रदर्शित करने वाली विशेष स्थिति या बिन्दु है। ग्रह या भावों के विपरीत सहम जीवन की एक ही घटना से संबंध रखता है। आचार्य नीलकंठ के अनुसार सहम 50 हैं। यदि सहम और इसका स्वामी शुभ हो या शुभदृष्ट हो तो यह सांकेतिक घटना के लिए शुभ फल प्रदान करता है। ताजिक शास्त्र के अनुसार किसी भी घटना की अवधि को इसकी स्थिति, स्वामी तथा उस राशि की स्थिति से ज्ञात किया जाता है जिसमें यह स्थित है। नीचे सहमों की गणना करके उनकी संभावित तिथियां दी गई हैं जो अग्रिम फलादेश में सहायक सिद्ध हो सकेंगी।

सहम	राशि	अंश	स्वा	घटना तिथि
पुण्य	मेष	14:18:04	मंगल	18/12/2023
गुरु	कन्या	25:36:05	बुध	31/08/2023
ज्ञान	कन्या	25:36:05	बुध	31/08/2023
यश	वृश्चिक	12:40:41	मंगल	20/05/2023
मित्र	कर्क	14:36:48	चन्द्र	15/04/2023
माहात्म्य	वृश्चिक	19:22:31	मंगल	25/05/2023
आशा	कुम्भ	14:53:25	शनि	19/01/2023
समर्थ	तुला	12:06:07	शुक्र	13/08/2023
भातृ	कुम्भ	28:43:38	शनि	03/02/2023
गौरव	वृश्चिक	12:40:41	मंगल	20/05/2023
राजा	कुम्भ	02:00:31	शनि	04/01/2023
पितृ	कुम्भ	02:00:31	शनि	04/01/2023
मातृ	मेष	27:10:57	मंगल	31/12/2023
सुत	वृश्चिक	16:26:06	मंगल	23/05/2023
जीव	वृश्चिक	11:10:31	मंगल	19/05/2023
अम्बु	मेष	27:10:57	मंगल	31/12/2023
कर्म	मिथुन	05:20:43	बुध	20/06/2023
रोग	सिंह	29:21:30	सूर्य	01/10/2023
कामदेव	कुम्भ	23:28:04	शनि	28/01/2023
कलि	तुला	12:06:07	शुक्र	13/08/2023
क्षेम	तुला	12:06:07	शुक्र	13/08/2023
शास्त्र	मीन	08:15:32	गुरु	02/01/2023
बन्धु	कन्या	08:53:24	बुध	16/08/2023
बंधक	वृष	01:00:45	शुक्र	05/05/2023
मृत्यु	मिथुन	11:26:17	बुध	26/06/2023

सहम

सहम	राशि	अंश	स्वा	घटना तिथि
परदेश	कन्या	01:15:59	बुध	09/08/2023
अर्थ	धनु	15:25:48	गुरु	28/08/2023
परदारा	मकर	07:04:11	शनि	05/12/2023
अन्यकर्म	मेष	02:14:37	मंगल	05/12/2023
वणिक	वृष	01:00:45	शुक्र	05/05/2023
कार्यसिद्धि	वृष	19:05:07	शुक्र	24/05/2023
विवाह	वृश्चिक	25:00:44	मंगल	30/05/2023
प्रसूति	मीन	27:29:46	गुरु	23/01/2023
संताप	मीन	11:26:17	गुरु	05/01/2023
श्रद्धा	सिंह	08:23:14	सूर्य	09/09/2023
प्रीति	कर्क	01:15:06	चन्द्र	31/03/2023
बल	वृश्चिक	12:40:41	मंगल	20/05/2023
देह	वृश्चिक	12:40:41	मंगल	20/05/2023
जाडय	वृष	16:06:29	शुक्र	21/05/2023
व्यापार	मिथुन	05:20:43	बुध	20/06/2023
जलपतन	वृष	16:06:29	शुक्र	21/05/2023
शत्रु	वृष	06:34:35	शुक्र	10/05/2023
शौर्य	वृश्चिक	19:22:31	मंगल	25/05/2023
उपाय	वृश्चिक	11:10:31	मंगल	19/05/2023
दरिद्रता	मेष	14:18:04	मंगल	18/12/2023
गुरुता	मेष	13:45:25	मंगल	17/12/2023
जलपथ	कर्क	06:41:58	चन्द्र	07/04/2023
बंधन	मेष	06:00:02	मंगल	09/12/2023
कन्या	कन्या	12:43:12	बुध	19/08/2023
अश्व	मीन	25:36:58	गुरु	21/01/2023

वर्ष त्रिपताकी कुंडली

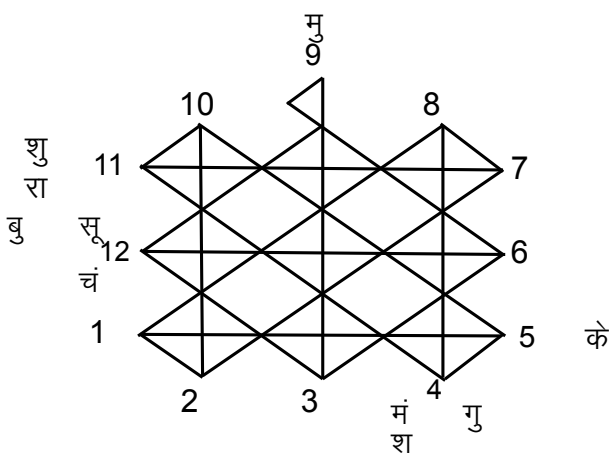

Pt. Dr. Gyanendra Sharma (L.Expert-1025)
+91-730-226-8898
Dev Astro, Dev Poojanam, Bareilly, U.P., 243003
[www.devpoojanam.com] [devpoojanam@gmail.com]

पात्यंश दशा

शुक्र		गुरु		चंद्र		मंगल		सूर्य	
01/01/2023		**11/02/2023**		**29/03/2023**		**11/05/2023**		**04/07/2023**	
11/02/2023		**29/03/2023**		**11/05/2023**		**04/07/2023**		**20/07/2023**	
शुक्र	05/01/2023	गुरु	17/02/2023	चंद्र	03/04/2023	मंगल	19/05/2023	सूर्य	05/07/2023
गुरु	11/01/2023	चंद्र	22/02/2023	मंगल	09/04/2023	सूर्य	22/05/2023	लग्न	07/07/2023
चंद्र	15/01/2023	मंगल	01/03/2023	सूर्य	11/04/2023	लग्न	29/05/2023	शनि	12/07/2023
मंगल	22/01/2023	सूर्य	03/03/2023	लग्न	17/04/2023	शनि	13/06/2023	बुध	12/07/2023
सूर्य	23/01/2023	लग्न	09/03/2023	शनि	29/04/2023	बुध	15/06/2023	शुक्र	14/07/2023
लग्न	29/01/2023	शनि	22/03/2023	बुध	01/05/2023	शुक्र	21/06/2023	गुरु	16/07/2023
शनि	09/02/2023	बुध	24/03/2023	शुक्र	06/05/2023	गुरु	28/06/2023	चंद्र	18/07/2023
बुध	11/02/2023	शुक्र	29/03/2023	गुरु	11/05/2023	चंद्र	04/07/2023	मंगल	20/07/2023

लग्न		शनि		बुध		बुध		बुध	
20/07/2023		**05/09/2023**		**17/12/2023**		**17/12/2023**		**17/12/2023**	
05/09/2023		**17/12/2023**		**01/01/2024**		**01/01/2024**		**01/01/2024**	
लग्न	26/07/2023	शनि	04/10/2023	बुध	17/12/2023	बुध	17/12/2023	बुध	17/12/2023
शनि	08/08/2023	बुध	08/10/2023	शुक्र	19/12/2023	शुक्र	19/12/2023	शुक्र	19/12/2023
बुध	10/08/2023	शुक्र	20/10/2023	गुरु	21/12/2023	गुरु	21/12/2023	गुरु	21/12/2023
शुक्र	16/08/2023	गुरु	02/11/2023	चंद्र	23/12/2023	चंद्र	23/12/2023	चंद्र	23/12/2023
गुरु	22/08/2023	चंद्र	14/11/2023	मंगल	25/12/2023	मंगल	25/12/2023	मंगल	25/12/2023
चंद्र	27/08/2023	मंगल	29/11/2023	सूर्य	26/12/2023	सूर्य	26/12/2023	सूर्य	26/12/2023
मंगल	03/09/2023	सूर्य	04/12/2023	लग्न	28/12/2023	लग्न	28/12/2023	लग्न	28/12/2023
सूर्य	05/09/2023	लग्न	17/12/2023	शनि	01/01/2024	शनि	01/01/2024	शनि	01/01/2024

नोट : उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं।
पात्यंश दशा पूरे 1 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

मुद्दा दशा

शुक्र		सूर्य		चंद्र		मंगल		राहु	
01/01/2023		**03/03/2023**		**21/03/2023**		**20/04/2023**		**12/05/2023**	
03/03/2023		**21/03/2023**		**20/04/2023**		**12/05/2023**		**05/07/2023**	
शुक्र	11/01/2023	सूर्य	04/03/2023	चंद्र	23/03/2023	मंगल	22/04/2023	राहु	20/05/2023
सूर्य	14/01/2023	चंद्र	05/03/2023	मंगल	25/03/2023	राहु	25/04/2023	गुरु	27/05/2023
चंद्र	19/01/2023	मंगल	06/03/2023	राहु	30/03/2023	गुरु	28/04/2023	शनि	05/06/2023
मंगल	23/01/2023	राहु	09/03/2023	गुरु	03/04/2023	शनि	01/05/2023	बुध	13/06/2023
राहु	01/02/2023	गुरु	11/03/2023	शनि	08/04/2023	बुध	04/05/2023	केतु	16/06/2023
गुरु	09/02/2023	शनि	14/03/2023	बुध	12/04/2023	केतु	05/05/2023	शुक्र	25/06/2023
शनि	19/02/2023	बुध	17/03/2023	केतु	14/04/2023	शुक्र	09/05/2023	सूर्य	28/06/2023
बुध	27/02/2023	केतु	18/03/2023	शुक्र	19/04/2023	सूर्य	10/05/2023	चंद्र	02/07/2023
केतु	03/03/2023	शुक्र	21/03/2023	सूर्य	20/04/2023	चंद्र	12/05/2023	मंगल	05/07/2023

गुरु		शनि		बुध		केतु		केतु	
05/07/2023		**23/08/2023**		**20/10/2023**		**11/12/2023**		**11/12/2023**	
23/08/2023		**20/10/2023**		**11/12/2023**		**01/01/2024**		**01/01/2024**	
गुरु	12/07/2023	शनि	01/09/2023	बुध	27/10/2023	केतु	12/12/2023	केतु	12/12/2023
शनि	20/07/2023	बुध	10/09/2023	केतु	30/10/2023	शुक्र	16/12/2023	शुक्र	16/12/2023
बुध	27/07/2023	केतु	13/09/2023	शुक्र	08/11/2023	सूर्य	17/12/2023	सूर्य	17/12/2023
केतु	29/07/2023	शुक्र	23/09/2023	सूर्य	11/11/2023	चंद्र	18/12/2023	चंद्र	18/12/2023
शुक्र	07/08/2023	सूर्य	25/09/2023	चंद्र	15/11/2023	मंगल	20/12/2023	मंगल	20/12/2023
सूर्य	09/08/2023	चंद्र	30/09/2023	मंगल	18/11/2023	राहु	23/12/2023	राहु	23/12/2023
चंद्र	13/08/2023	मंगल	04/10/2023	राहु	26/11/2023	गुरु	26/12/2023	गुरु	26/12/2023
मंगल	16/08/2023	राहु	12/10/2023	गुरु	03/12/2023	शनि	29/12/2023	शनि	29/12/2023
राहु	23/08/2023	गुरु	20/10/2023	शनि	11/12/2023	बुध	01/01/2024	बुध	01/01/2024

नोट : उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं।
मुद्दा दशा पूरे 1 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

शनि - शनि - चंद्र	
28/07/2023 20:23	
28/10/2023 09:58	
चंद्र	05/08/2023 11:31
मंगल	10/08/2023 19:43
राहु	24/08/2023 13:21
गुरु	05/09/2023 18:22
शनि	20/09/2023 06:19
बुध	03/10/2023 05:38
केतु	08/10/2023 13:50
शुक्र	23/10/2023 20:06
सूर्य	28/10/2023 09:58

शनि - शनि - मंगल	
28/10/2023 09:58	
31/12/2023 12:17	
मंगल	01/11/2023 03:42
राहु	10/11/2023 18:27
गुरु	19/11/2023 07:34
शनि	29/11/2023 11:08
बुध	08/12/2023 13:03
केतु	12/12/2023 06:47
शुक्र	22/12/2023 23:11
सूर्य	26/12/2023 04:05
चंद्र	31/12/2023 12:17

शनि - शनि - राहु	
31/12/2023 12:17	
13/06/2024 07:56	
राहु	25/01/2024 05:38
गुरु	16/02/2024 05:03
शनि	13/03/2024 07:22
बुध	05/04/2024 15:45
केतु	15/04/2024 06:30
शुक्र	12/05/2024 17:46
सूर्य	20/05/2024 23:33
चंद्र	03/06/2024 17:12
मंगल	13/06/2024 07:56

शनि - शनि - गुरु	
13/06/2024 07:56	
06/11/2024 20:05	
गुरु	02/07/2024 20:46
शनि	26/07/2024 01:29
बुध	15/08/2024 19:36
केतु	24/08/2024 08:43
शुक्र	17/09/2024 18:44
सूर्य	25/09/2024 02:32
चंद्र	07/10/2024 07:33
मंगल	15/10/2024 20:40
राहु	06/11/2024 20:05

शनि - बुध - बुध	
06/11/2024 20:05	
26/03/2025 02:44	
बुध	26/11/2024 13:37
केतु	04/12/2024 16:37
शुक्र	27/12/2024 21:43
सूर्य	03/01/2025 20:51
चंद्र	15/01/2025 11:24
मंगल	23/01/2025 14:23
राहु	13/02/2025 11:47
गुरु	04/03/2025 01:28
शनि	26/03/2025 02:44

शनि - बुध - केतु	
26/03/2025 02:44	
22/05/2025 11:07	
केतु	29/03/2025 11:01
शुक्र	08/04/2025 00:25
सूर्य	10/04/2025 21:14
चंद्र	15/04/2025 15:56
मंगल	19/04/2025 00:13
राहु	27/04/2025 14:41
गुरु	05/05/2025 06:12
शनि	14/05/2025 08:07
बुध	22/05/2025 11:07

शनि - बुध - शुक्र	
22/05/2025 11:07	
02/11/2025 07:38	
शुक्र	18/06/2025 18:32
सूर्य	26/06/2025 23:09
चंद्र	10/07/2025 14:52
मंगल	20/07/2025 04:16
राहु	13/08/2025 18:09
गुरु	04/09/2025 14:29
शनि	30/09/2025 13:08
बुध	23/10/2025 18:14
केतु	02/11/2025 07:38

शनि - बुध - सूर्य	
02/11/2025 07:38	
21/12/2025 11:24	
सूर्य	04/11/2025 18:37
चंद्र	08/11/2025 20:56
मंगल	11/11/2025 17:45
राहु	19/11/2025 02:43
गुरु	25/11/2025 16:01
शनि	03/12/2025 10:49
बुध	10/12/2025 09:57
केतु	13/12/2025 06:46
शुक्र	21/12/2025 11:24

शनि - बुध - चंद्र	
21/12/2025 11:24	
13/03/2026 09:39	
चंद्र	28/12/2025 07:15
मंगल	02/01/2026 01:57
राहु	14/01/2026 08:53
गुरु	25/01/2026 07:03
शनि	07/02/2026 06:23
बुध	18/02/2026 20:56
केतु	23/02/2026 15:38
शुक्र	09/03/2026 07:21
सूर्य	13/03/2026 09:39

शनि - बुध - मंगल	
13/03/2026 09:39	
09/05/2026 18:02	
मंगल	16/03/2026 17:57
राहु	25/03/2026 08:24
गुरु	01/04/2026 23:55
शनि	11/04/2026 01:51
बुध	19/04/2026 04:50
केतु	22/04/2026 13:07
शुक्र	02/05/2026 02:31
सूर्य	04/05/2026 23:20
चंद्र	09/05/2026 18:02

शनि - बुध - राहु	
09/05/2026 18:02	
04/10/2026 05:19	
राहु	31/05/2026 20:56
गुरु	20/06/2026 12:50
शनि	13/07/2026 21:13
बुध	03/08/2026 18:37
केतु	12/08/2026 09:04
शुक्र	05/09/2026 22:57
सूर्य	13/09/2026 07:55
चंद्र	25/09/2026 14:51
मंगल	04/10/2026 05:19

शनि - बुध - गुरु	
04/10/2026 05:19	
12/02/2027 07:20	
गुरु	21/10/2026 16:47
शनि	11/11/2026 10:54
बुध	30/11/2026 00:35
केतु	07/12/2026 16:06
शुक्र	29/12/2026 12:27
सूर्य	05/01/2027 01:45
चंद्र	15/01/2027 23:55
मंगल	23/01/2027 15:26
राहु	12/02/2027 07:20

Pt. Dr. Gyanendra Sharma (L.Expert-1025)
+91-730-226-8898
Dev Astro, Dev Poojanam, Bareilly, U.P., 243003
[www.devpoojanam.com] [devpoojanam@gmail.com]

वर्ष योग

इक्कबाल योग

यदि वर्ष कुंडली में सभी ग्रह केन्द्र (1, 4, 7, 10) और पणफर (2, 5, 8, 11) स्थानों में हों तो इक्कबाल नामक योग होता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

इन्दुवार योग

वर्ष कुंडली में यदि सूर्यादि सभी ग्रह अपोक्लिम (3, 6, 9, 12) स्थानों में हो तो इन्दुवर योग होता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

इत्थशाल योग

यदि लग्नेश और अन्य ग्रह (कार्येश) की परस्पर दृष्टि हो तथा दोनों ग्रह दीप्तांशों के अन्तर्गत हों तो इत्थशाल योग होता है। यह तीन प्रकार का होता है। वर्तमान, सम्पूर्ण और भविष्यत। सम्पूर्ण इत्थशाल तब होता है जबकि शीघ्रगामी ग्रह मन्दगति ग्रह से 1 कला के अंतर पर हो। वर्तमान इत्थशाल में शीघ्रगति वाले ग्रह के अंश कम एवं मन्दगति ग्रह के अंश अधिक हों तथा दोनों की परस्पर दृष्टि हो। भविष्यत इत्थशाल तब होता है जबकि शीघ्रगति ग्रह राशि के अन्तिम अंश में हो तथा दूसरी राशि पर मन्द गति ग्रह हो परन्तु मध्यान्तर दीप्तांशो के अन्तर्गत हों।

इस वर्ष आपकी वर्तमान शीघ्र गति ग्रह शुक्र (मक 03:18:46), एवं मन्दगति ग्रह गुरु (मीन 07:01:40), के मध्य है।

वर्ष कुंडली में यह योग अत्यन्त ही शुभ एवं सफलता का प्रतीक माना जाता है। अतः इसके शुभ प्रभाव से इस वर्ष आपको मामा या माता के संबधियों से इच्छित लाभ एवं सहयोग की प्राप्ति होगी एवं आपसी संबंधों में मधुरता आएगी। इस समय आप किसी प्रतियोगी परीक्षा में सफलता प्राप्त करेंगे। साथ ही यदि कोई मुकद्दमा चल रहा है तो उसमें आपको विजय मिलेगी। राजनीति में सक्रिय लोगों को ऐसे समय में सफलता की प्राप्ति होगी तथा कोई सम्मानजनक पद भी मिलेगा यदि कोई पिछला ऋृण हो तो उससे भी मुक्ति मिलेगी। इसके अतिरिक्त इस वर्ष में आपके आयस्रोतों मे वृद्धि होगी तथा महत्वाकाक्षाएं भी पूर्ण होंगी। साथ ही प्रभावशाली लोगों से सम्पर्क स्थापित होंगे जिससे आपको काफी लाभ एवं सहयोग मिलेगा। राजनीति में सक्रिय लोगो को इस समय प्रसिद्धि मिलेगी तथा राजनैतिक अधिकार प्राप्त होगे। अतः वर्ष का सदुपयोग करें तथा प्राप्त अवसरों को हाथ से न जाने दें।

इसराफ योग

यदि शीघ्रगामी ग्रह मन्दगामी ग्रह से आगे हो तो इसराफ योग होता है। यह इत्थशाल का विपरीत होता है।

इसराफ योग मन्दगति ग्रह गुरु (मीन 07:01:40), एवं शीघ्र गति ग्रह सूर्य (धनु 16:11:40), के मध्य बन रहा है।

वर्ष कुंडली में यह योग सामान्यतया अच्छा नहीं माना जाता है तथा ऐसे समय में अनावश्यक समस्याओं एवं परेशानियों का सामना करना पड़ता है। अतः इसके प्रभाव से इस वर्ष में आपके भाग्योदय का मार्ग अवरूद्ध होगा तथा शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो में सफलता अल्प मात्रा में ही प्राप्त होगी। कार्य क्षेत्र में भी ऐसे समय में उच्चधिकारी वर्ग से परेशानियों एवं समस्याओं का सामना करना पडेगा तथा व्यापारी वर्ग को भी अधिक लाभ नहीं होगा। इसके अतिरिक्त मान सम्मान एवं प्रसिद्धि में भी अल्पता आएगी जिससे मन में असन्तुष्टि का भाव विद्यमान होगा। अतः ऐसे समय में सोचसमझकर कार्य कलाप को सम्पन्न करें। इसराफ योग मन्दगति ग्रह गुरु (मीन 07:01:40), एवं शीघ्र गति ग्रह मंगल (वृष 14:52:37), के मध्य बन रहा है।

वर्ष कुंडली में यह एक अशुभ योग माना जाता है। अतः इसके प्रभाव से इस वर्ष में आप को सन्तति पक्ष से अपेक्षित सुख एवं सहयोग नहीं मिलेगा तथा उनकी ओर से मन में चिन्ताएं रहेंगी। साथ ही उच्चस्तर पर शिक्षा अर्जित करने वालों को भी ऐसे समय में वांछित सफलताएं कम ही मिलेंगी तथा परिश्रम भी अधिक करना पड़ेगा राजनीति में सक्रिय लोग ऐसे समय में किसी भी प्रकार के राजनैतिक लाभ की आशा न रखें। इसके अतिरिक्त विदेश या लम्बी दूरी की यात्राओं से कोई लाभ नही होगा तथा अनावश्यक तनाव उत्पन्न होंगे। इस वर्ष में आपको किसी भी प्रकार का पूंजीनिवेश नहीं करना चाहिए अन्यथा हानि के योग बनते है। साथ ही इस वर्ष व्यय भी अधिक होगा अतः धैर्य पूर्वक समय व्यतीत करें।

नक्त योग

यदि लग्नेश और कार्येश में दृष्टि न हो और उन दोनों के मध्य दीप्तांशों के अन्तर्गत ऐसा शीघ्रगामी ग्रह हो जो लग्नेश और कर्मेश को देखता हो तो यह एक ग्रह के तेज को लेकर दूसरों को दे देता है। इस योग में किसी तीसरे व्यक्ति की सहायता से कार्य बनता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

यमया योग

यदि लग्नेश और कार्येश की परस्पर दृष्टि न हो और कोई मन्दगति वाला ग्रह दीप्ताशों के अन्तर्गत हो तथा दोनों को देखता हो तो वह मन्दगति ग्रह शीघ्रगति वाले ग्रह को तेज दे देता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

मणऊ योग

यदि लग्नेश एवं कर्मेश में इत्थशाल हो किन्तु कोई पाप ग्रह दोनों को या एक को भी शत्रु दृष्टि से देखता हो तथा दीप्तांशों के अन्तर्गत हो तो मणऊ योग बनता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

कम्बूल योग

यदि लग्नेश और कार्येश में परस्पर इत्थशाल हो तथा इन दोनों में एक से भी चन्द्रमा इत्थशाल करता हो तो कम्बूल योग बनता है।

कम्बूल योग गुरु और शुक्र के मध्य बन रहा है क्योंकि चन्द्रमा का शुक्र से इत्थशाल हो रहा है।

इस योग के शुभ प्रभाव से इस वर्ष आप बन्धुवर्ग से वांछित लाभ एवं सहयोग अर्जित करेगें तथा आपसी संबन्धों मे मधुरता का भाव होगा। इस समय दूर समीप की लाभदायक यात्राएं भी संपन्न होंगी। साथ ही आप स्वपराक्रम एवं बुद्धिमता से शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को सम्पन्न करेंगे। इसके अतिरिक्त आपकी संचार सुविधाओं यथा टेलीफोन आदि में वृद्वि होगी तथा यदि प्रकाशन आदि के इच्छुक है तो इस वर्ष में आपको वांछित सफलता मिलेगी।

गैरी कम्बूल योग

लग्नेश एवं कार्येश दोनों का इत्थशाल हो परंतु चन्द्रमा की इन पर दृष्टि न हो किन्तु वही चन्द्रमा बलवान होकर अग्रिम राशि में जाकर किसी अन्य बलवान ग्रह से इत्थशाल करे तो गैरी कम्बूल योग बनता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

खल्लासर योग

लग्नेश और कार्येश का परस्पर इत्थशाल हो लेकिन शून्यमार्गी चन्द्रमा किसी से इत्थशाल न करता हो तो खल्लासर नामक योग बनता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

रदद योग

यदि लग्नेश और कार्येश में कोई ग्रह अस्त नीच शत्रु क्षेत्री अथवा 6, 8, 12 में हो और परस्पर इत्थशाली हो, क्रूर ग्रह से युक्त या दृष्ट हो तो रदद नामक योग बनता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

दुफालिकुत्थ योग

लग्नेश और कार्येश में इत्थशाल हो (1) इन दोनों में से मन्दगति वाला ग्रह अपनी उच्च राशि /स्वराशि /नवांश / द्रेष्काण आदि में बलवान हो तथा (2) शीघ्रगामी ग्रह अपनी उच्च स्वराशि में न हो तथा निर्बल हो तो दुफालिकुत्थ योग बनता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

दुत्थकुत्थीर योग

यदि लग्नेश और कार्येश निर्बल होकर इत्थशाल करें और उनमें से एक किसी ग्रह से जो अपने उच्च या स्वगृह में बैठा हो, बलवान हो इत्थशाल करे तो दुत्थकुत्थीर योग बनता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

तम्बीर योग

इस योग में लग्नेश और कार्येश की परस्पर दृष्टि नहीं होती किन्तु इन दोनों में से कोई एक ग्रह राशि के अन्त में होता है एवं आगामी राशि में स्वगृही ग्रह से दीप्तांशों के अन्तर्गत इत्थशाल करता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

कुत्थ योग

यदि वर्ष कुंडली में लग्नेश कार्येश बलवान हों तो कुत्थ योग बनता है।

आपकी वर्ष कुंडली में लग्नेश एवं कार्येश बलवान है। अतः कुत्थ योग की सृष्टि हो रही है।

इस योग के प्रभाव से इस वर्ष में आपकी आय में आशातीत वृद्धि होगी जिसके आर्थिक सुदृढ़ता बनेगी। इस समय आपकी महत्वाकाक्षाएं भी पूर्ण होंगी तथा विलम्बित इच्छाओं की पूर्ति में आपको सफलता मिलेगी। साथ ही उच्चधिकार प्राप्त लोगों से आपके सम्पर्क स्थापित होंगे तथा उनसे वांछित लाभ एवं सहयोग प्राप्त करने मे आपको सफलता मिलेगी। बडे भाई से इस वर्ष में आपको वांछित सहयोग एवं लाभ की प्राप्ति हो सकती है। इसके अतिरिक्त शुत्रु एवं विपक्ष पर अपना प्रभाव स्थापित करने में समर्थ होंगे। इसी परिपेक्ष्य में आप कोई मुकद्दमा या चुनाव जीत सकते है या किसी प्रतियोगी परीक्षा में सफलता प्राप्त कर सकते है।

दुरूफ योग

यदि वर्ष कुंडली में लग्नेश एवं कार्येश निर्बल हो तो दुरूफयोग बनता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्थेश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकारयों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकाँश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथाः–

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजनुषोर्बलमस्य चिन्त्यम्।।

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथा उत्साह एवं परिश्रम पूर्वक आपके समस्त शुभ एवं सांसारिक कार्य सम्पन्न होंगे। साथ ही इनमें आपको वांछित सफलता भी प्राप्त होगी। मानसिक स्थिति भी इस समय अच्छी रहेगी तथा मन में शान्ति एवं सन्तुष्टि बनी रहेगी। इस वर्ष में व्यक्तिगत सुख शान्ति तथा समृद्धि बनी रहेगी तथा पारिवारिक जनों से पूर्ण सुख तथा सहयोग प्राप्त होगा। संतति पक्ष से भी आप प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे तथा अपने कार्य क्षेत्र में उन्नतिशील रहेंगे। साथ ही इस वर्ष में आपको पुत्र संतति की प्राप्ति भी हो सकती है। धर्म के प्रति आपके मन में पूर्ण श्रद्धा रहेगी तथा धार्मिक कार्य कलापों को आप सम्पन्न करते रहेंगे। साथ ही धार्मिक नेताओं से सम्पर्क एवं तीर्थयात्रा के भी योग बनेंगे। इस समय आपकी बुद्धि तीक्ष्ण रहेगी तथा सभी लोग आपकी बुद्धिमता से प्रभावित रहेंगे तथा आप पर पूर्ण विश्वास करेंगे। अतः आपकी समाजिक मान प्रतिष्ठा तथा यश में अभिवृद्धि होगी।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति के लिए भी यह वर्ष उत्तम रहेगा। इस समय व्यापार में आपकी इच्छित उन्नति एवं विस्तार होगा तथा लाभ मार्ग भी प्रशस्त होंगे। साथ ही राज्य या सरकार के द्वारा आपको कोई विशिष्ट सम्मान भी प्राप्त हो सकता है। नौकरी या राजनीति में भी इस समय आपको महत्वपूर्ण पद की प्राप्ति होगी तथा सभी लोग आपके पराक्रम तथा प्रभाव को स्वीकार करेंगे एवं आपको यथोचित सम्मान प्रदान करेंगे। शत्रु या विरोधी पक्ष को इस समय आप पराजित करेंगे तथा नवीन आय स्रोतों में वृद्धि करके आर्थिक रूप से सुदृढ़ रहेंगे। साथ ही कोई विशष्ट लाभ भी हो सकता है। अतः यह समय आपके लिए अत्यंत ही शुभ एवं सौभाग्य शाली रहेगा तथा प्रसन्नता पूर्वक आपका समय व्यतीत होगा।

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोडे से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथाः–

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्थिहास्वामिसौम्येत्थशालं प्रपन्ना।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊहयो विभृश्य।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में शारीरिक रूप से आप स्वस्थ रहेंगे तथा मन में भी प्रसन्ता का भाव विद्य मान रहेगा। कार्य क्षेत्र में इस समय आपकी उन्नति होगी तथा नौकरी या राजनीति में आपको किसी महत्वपूर्ण पद के प्राप्ति की संभावना बनेगी। व्यापारिक क्षेत्र में भी आप उन्नति के मार्ग पर अग्रसर रहेंगे तथा प्रचुर मात्रा में लाभ अर्जित होता रहेगा। साथ ही व्यापारिक क्षेत्र में विस्तार करने तथा अन्य नवीन कार्यों को प्रारम्भ करने में भी आपको सफलता प्राप्त होगी। इस वर्ष में आपके शत्रु निर्बल रहेंगे अतः चुनाव मुकद्दमे,व्यापारिक क्षेत्र या प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता अर्जित होगी।

इस समय राजनैतिक महत्व के व्यक्तियों अथवा सरकारी उच्चाधिकारी वर्ग आपसे पूर्ण प्रसन्न एवं सन्तुष्ट रहेंगे तथा उनसे आपको यथोचित मात्रा में लाभ एवं सहयोग की प्राप्ति होगी। साथ ही समाज में आपके प्रभाव एवं प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपको यथोचित आदर एवं सम्मान प्रदान करेंगे। इस समय आपके समस्त रूके हुए कार्य सम्पन्न होंगे तथा भाग्योदय संबधी कार्यो में भी वृद्धि होगी। साथ ही अन्य सांसारिक कार्यो में भी सफलता प्राप्त होगी एवं प्रसन्नता के समाचार भी मिलेंगे ।इसके अतिरिक्त इस वर्ष में आपको संतति प्राप्ति की भी संभावना रहेगी या उनसे पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा।साथ ही वाहन संबधी सुख की भी प्राप्ति हो सकती है। अतः आप अपने अधिकाशं समय को आनन्द पूर्वक व्यतीत करने में सफल रहेंगे।

अथ मुंथेशफलम्

वर्ष कुण्डली में मुंथा जिस राशि में स्थित हो उस राशि का स्वामी मुंथेश कहलाता है। यह वर्ष के पंचाधिकारियों में एक प्रमुख ग्रह होता है। अतः शुभभावस्थ मुंथेश के प्रभाव से जातक विशिष्ट परिस्थतियों में उत्तम लाभ प्राप्त करने में समर्थ रहता है। यदि वर्ष प्रवेश के समय मुंथेश षष्ठ, अष्टम, द्वादश तथा चतुर्थ भाव में स्थित हो या अस्त, वक्री एवं पापग्रहों से युक्त हो अथवा क्रूर ग्रहों के स्थान से चतुर्थ या सप्तम स्थान में स्थित हो तो शुभ फलदायक न होकर अशुभफल, धनहानि या शरीर संबधी कष्ट प्रदान करता है। यथाः–

षष्ठेऽष्टमेन्त्ये भुवि वेन्थिहेशोऽस्तङगोऽथ वक्रोऽशुभदृष्टियुक्तः।
क्रूराच्चतुर्थास्तगतश्च भव्यो न स्याद्रुजं यच्छति वित्तनाशम्।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष आपके लिए मध्यम रहेगा परन्तु यदा कदा शारीरिक कष्ट की भी अनुभूति होगी। साथ ही मानसिक स्थिति सामान्यतया अच्छी ही रहेगी। इस समय आपके सभी शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य परिश्रम तथा उत्साह से सम्पन्न होंगे तथा इनमें आपको न्यूनाधिक सफलता भी मिलती रहेगी। शत्रुपक्ष से इस समय आपको परेशानी होगी परन्तु आप उनका सामना करने में समर्थ रहेंगे तथा अन्त में उन्हें पराजित कर सकेंगे। समाज में इस समय आपकी प्रतिष्ठा मध्यम रहेगी तथा आप मिथ्यावाद के कारण कठिनाई का सामना कर सकते है। आर्थिक स्थिति भी इस समय सामान्य रहेगी तथा आवश्यक मात्रा में धन तथा लाभ अर्जित करने में समर्थ रहेंगे। मित्रों एवं संबधियों से आपके संबध मधुर रहेंगे तथा उनसे समय समय पर लाभ एवं सहयोग मिलता रहेगा परन्तु इसमें न्यूनाधिक भाव रहेगा।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र की उन्नति भी इस समय मध्यम रहेगी तथा अत्यंत ही परिश्रम एवं पराक्रम से सफलता अर्जित करेंगे। नौकरी या राजनीति के क्षेत्र में इस समय आपकी उन्नति के अवसर बनेंगे परन्तु इसमें अनावश्यक विलम्ब तथा व्यवधान उत्पन्न होंगे। साथ ही व्यापार संबधी कार्यो में भी मन्दी रहेगी लेकिन स्व पराक्रम एवं परिश्रम से आप इच्छित लाभ अर्जित कर सकेंगे। इस वर्ष में आपको वाहन संबधी सुख की भी प्राप्ति हो सकती है तथा स्थान परिवर्तन या आवास संबधी योजना का प्रारंभ हो सकता है। इसके अतिरिक्त आपके अन्य रूके हुए कार्य भी इस वर्ष में पूर्ण होंगे। अतः समय का सदुपयोग करना चाहिए।

अथ वर्षलग्नेशफलम्

वर्ष लग्न के स्वामी को वर्षलग्नेश कहते हैं। वर्ष के पंचाधिकारियों में इसकी विशेष महत्ता है। अतः वर्ष की अनेक शुभाशुभ घटनाओं में लग्नेश का प्रभाव रहता है। साथ ही जातक के स्वास्थ्य, कार्य एवं भाग्य को वर्ष में यह विशेष रूप से प्रभावित करता है। यदि वर्ष लग्नेश पंचवर्गी बल से पूर्ण बलवान हो और उसे शुभ ग्रह देखते हों या शुभ ग्रहों से युति हो और स्वयं केन्द्र तथा त्रिकोण स्थान में स्थित हो तो वह सम्पूर्ण अरिष्टों को नष्ट करके सुख और धन देता है। यथाः–

लग्नाधिपो बलयुतः शुभेक्षित युतोऽपि वा।
केन्द्रत्रिकोणगोऽरिष्टम् नाशयेत्सुखवित्तदः।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष आपके लिए उत्तम रहेगा तथा इस समय आपके समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य उत्साह एवं परिश्रम से सम्पन्न होंगे तथा इनमें आपको वांछित सफलता भी प्राप्त होगी। मानसिक स्थिति भी आपकी अच्छी रहेगी तथा मन से प्रसन्न एवं शान्त रहेंगे। पारिवारिक सुख शान्ति इस समय उत्तम रहेगी तथा सभी लोग परस्पर मिल जुलकर रहेंगे तथा एक दूसरे को अपना पूर्ण सहयोग प्रदान करेंगे। इस वर्ष में माता से आपको पूर्ण सुख तथा सहयोग मिलेगा तथा आप भी उनकी पूर्ण सेवा करने में तत्पर रहेंगे। साथ ही मातृपक्ष या ससुराल से आपको लाभ की प्राप्ति होगी। इस वर्ष में जमीन जायदाद तथा वाहनादि का सुख भी आपको प्राप्त होगा तथा इनसे प्रचुर मात्रा में लाभ की भी संभावनाएं रहेंगी। धर्म के प्रति आपका श्रद्धा भाव रहेगा तथा धार्मिक क्रियाकलापों को भी सम्पन्न करते रहेंगे।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र की उन्नति के लिए वर्ष शुभ एवं महत्वपूर्ण रहेगा । इस समय व्यापार में आपकी वृद्धि तथा विस्तार होगा एवं लाभ मार्ग भी प्रशस्त रहेंगे । साथ ही किसी नवीन कार्य के प्रारम्भ की भी योजना बनेगी। नौकरी या राजनीति में आप की उन्नति होगी एवं उच्चाधिकारी वर्ग या नेताओं से आपके मधुर संबंध रहेंगे साथ ही इनसे वांछित लाभ एवं सहयोग प्राप्त होगा। इस समय समाज में आपकी मान प्रतिष्ठा एवं यश में अभिवृद्धि होगी तथा सभी लोग आपके प्रभाव को स्वीकार करेंगे साथ ही आर्थिक दृष्टि भी सुदृढ़ रहेगी। इस प्रकार यह वर्ष आपके लिए शुभ एवं सौभाग्य शाली रहेगा।

प्रथम मास

01/01/2023 07:31:11 से 30/01/2023 18:43:46 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		धनु	पूर्वाषाढ़ा	19:57:05
सूर्य		धनु	पूर्वाषाढ़ा	16:11:40
चन्द्र		मेष	अश्विनी	10:32:39
मंगल	व	वृष	रोहिणी	14:52:37
बुध	व	धनु	उत्तराषाढ़ा	29:28:59
गुरु		मीन	उ०भाद्रपद	07:01:40
शुक्र		मकर	उत्तराषाढ़ा	03:18:46
शनि		मकर	धनिष्ठा	28:15:07
राहु		मेष	भरणी	17:34:45
केतु		तुला	स्वाति	17:34:45
मुंथा		धनु	उत्तराषाढ़ा	28:18:11

मासाधिपति

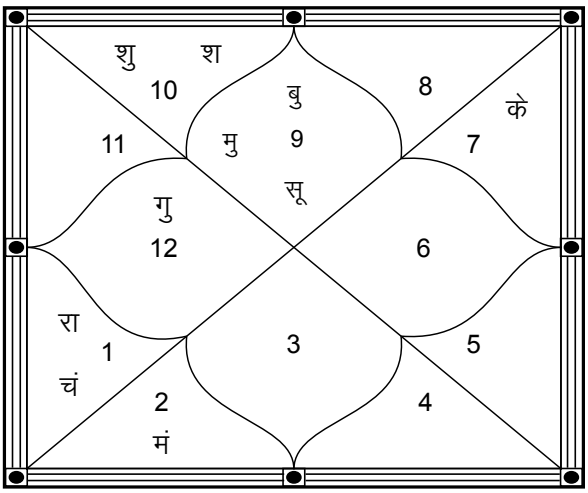

मासाधिपति : गुरु

इस मास में आपका शारीरिक स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथा मानसिक रूप से भी आप प्रसन्न रहेंगे। इस समय आपके लाभमार्ग प्रशस्त होंगे तथा पराक्रम में भी वृद्धि होगी जिससे शत्रु वर्ग आपसे भयभीत रहेगा। साथ ही उच्चाधिकारी वर्ग से भी आप सम्मान प्राप्त करेंगे। इसके अतिरिक्त अन्य स्रोतों से भी आपकी आय होती रहेगी जिससे आर्थिक रूप से पूर्ण रूपेण सुदृढ़ रहेंगे। इसके शुभ प्रभाव से आप समाज में पूर्ण मान तथा प्रतिष्ठा प्राप्त करने में सफल रहेंगे तथा भाग्य में भी उन्नति होगी एवं कोई विलम्ब हुआ शुभ एवं महत्पूर्ण कार्य भी सम्पन्न हो सकेगा। इसके, अतिरिक्त सांसारिक कार्यो में सफलता प्राप्त होगी एवं सम्पूर्ण वातावरण प्रसन्नता से युक्त रहेगा।

साथ ही इस मास में न्यूनाधिक अशुभ फल भी होंगे। इससे आप गर्मी से उत्पन्न रोगों द्वारा कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे तथा किसी प्रकार से रूधिर सम्बधी विकार भी हो सकता है। अतः इस समय शारीरिक सुरक्षा के प्रति पूर्ण सावधानी रखनी चाहिए। साथ ही आग के द्वारा भी किसी प्रकार की हानि की सम्भावना हो सकती है। अतः सतर्क रहें।

द्वितीय मास

30/01/2023 18:43:46 से 01/03/2023 11:20:27 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		कर्क	आश्लेषा	20:01:03
सूर्य		मकर	श्रवण	16:11:40
चन्द्र		वृष	कृतिका	08:12:16
मंगल		वृष	रोहिणी	15:48:11
बुध		धनु	पूर्वाषाढ़ा	21:14:54
गुरु		मीन	उ०भाद्रपद	11:36:26
शुक्र		कुम्भ	शतभिषा	10:06:38
शनि		कुम्भ	धनिष्ठा	01:30:11
राहु	व	मेष	भरणी	14:37:53
केतु	व	तुला	स्वाति	14:37:53
मुंथा		मकर	उत्तराषाढ़ा	00:48:11

मासाधिपति : चन्द्र

मासाधिपति

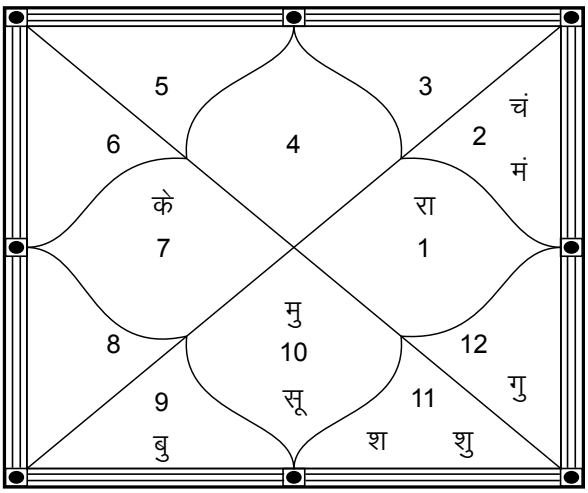

यह मास आपके लिए काफी अशुभ एवं परेशानी उत्पन्न करने वाला होगा। इस समय आप स्त्री पक्ष तथा बन्धु जनों से कष्ट प्राप्त करेंगे एवं शत्रुओं की ओर से भी नित्य चिन्ता एवं भय का वातावरण बना रहेगा। आपके उत्साह में भी इस मास अल्पता रहेगी एवं धन का व्यय भी अधिक मात्रा में होगा।जिससे आर्थिक परेशानी हो सकती है।साथ ही आप शरीर से भी अस्वस्थ रहेंगे तथा मन में लोभ के भाव की प्रबलता रहेगी। स्वबन्धुजनों से भी आपके सम्बन्धों में मधुरता का अभाव रहेगा एवं तनाव का भाव रहेगा जिससे मित्र भी शत्रु के समान व्यवहार करेंगे। अतः मानसिक तनाव से आप ग्रस्त रहेंगे। इसके अतिरिक्त समाजिक जनों से विवाद या संघर्ष की स्थिति भी उत्पन्न हो सकती है अतः सावधानी पूर्वक समय अनुसार चलने का प्रयत्न करें।

साथ ही इस मास में आप गर्मी तथा पित्तजनित दोषों से शारीरिक अस्वस्थता प्राप्त करेंगे एवं रक्त सम्बन्धी विकार से भी आप कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे। इसके अतिरिक्त शारीरिक सुरक्षा का ध्यान रखें तथा दुर्घटना से भी बचें। इस मास में अग्नि से भी किसी प्रकार की हानि हो सकती है।अतः यह मास आपके लिए सामान्यतया कष्टदायक रहेगा।

तृतीय मास

01/03/2023 11:20:27 से 31/03/2023 14:07:31 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		वृष	कृतिका	04:24:39
सूर्य		कुम्भ	शतभिषा	16:11:40
चन्द्र		मिथुन	आर्द्रा	07:24:21
मंगल		वृष	मृगशिरा	25:01:44
बुध		कुम्भ	धनिष्ठा	02:56:17
गुरु		मीन	रेवती	17:44:44
शुक्र		मीन	रेवती	16:45:29
शनि		कुम्भ	धनिष्ठा	05:04:19
राहु	व	मेष	अश्विनी	11:38:49
केतु	व	तुला	स्वाति	11:38:49
मुंथा		मकर	उत्तराषाढ़ा	03:18:11

मासाधिपति : शनि

मासाधिपति

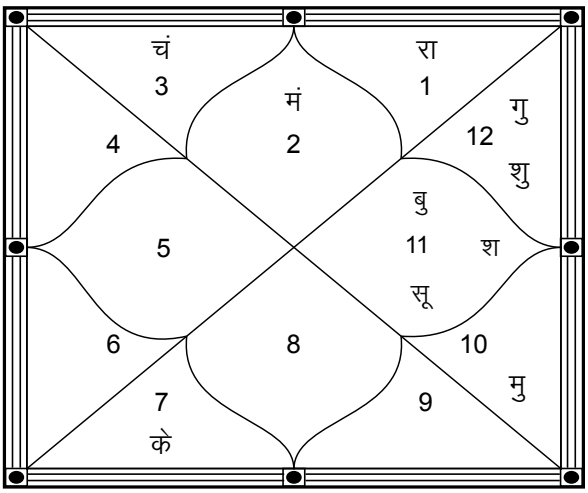

यह मास आपके लिए अत्यंत ही सुख एवं सौभाग्यवर्द्धक रहेगा। इस समय आप प्रचुर मात्रा में धन लाभ अर्जित करेंगे तथा उच्चाधिकारी वर्ग भी आपसे पूर्ण प्रसन्न एवं सन्तुष्ट रहेंगे जिससे आपके सभी शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य यथा समय सम्पन्न होंगे। इस मास में आप घर में किसी धार्मिक उत्सव का आयोजन भी कर सकते हैं। सन्तति पक्ष से भी आप सुखी रहेंगे तथा इनका आपको पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में पूर्ण श्रद्धा रहेगी तथा इनका पूजन एवं सम्मान करने के लिए आप तत्पर रहेंगे। इस मास में समाज में आपका यश भी दूर दूर तक व्याप्त रहेगा तथा भाग्योदय सम्बन्धी कार्यों में वृद्धि तथा उन्नति होगी। आपकी बुद्धि में इस समय निर्मलता की प्रबलता रहेगी एवं दूर समीप की आप कोई लाभदायक यात्रा भी सम्पन्न करेंगे। मित्र तथा बन्धुवर्ग से इस समय सम्बन्धों में घनिष्ठता होगी। इसके अतिरिक्त आप सर्वत्र मान प्रतिष्ठा अर्जित करने में सफल रहेंगे।

इसके साथ ही इस मास में आप शुभ फलों के साथ साथ अशुभ फल भी प्राप्त करेंगे इससे आपका स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा वातोत्पन्न रोगों से आप कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे तथा आप किसी ऐसे कार्य को भी सम्पन्न करेंगे जिससे आपको पश्चाताप करना पड़ेगा। इसके अतिरिक्त अग्नि का भी भय होगा जिससे हानि की आशंका बनी रहेगी। अतः संयम एवं सर्तकता पूर्वक अपने कार्यों को सम्पन्न करें।

चतुर्थ मास

31/03/2023 14:07:31 से 01/05/2023 05:19:49 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		कर्क	पुष्य	10:56:14
सूर्य		मीन	उ०भाद्रपद	16:11:40
चन्द्र		कर्क	पुष्य	10:49:06
मंगल		मिथुन	आर्द्रा	08:42:09
बुध		मीन	रेवती	29:56:21
गुरु		मीन	रेवती	24:47:17
शुक्र		मेष	भरणी	23:04:14
शनि		कुम्भ	शतभिषा	08:28:49
राहु	व	मेष	अश्विनी	10:07:04
केतु	व	तुला	स्वाति	10:07:04
मुंथा		मकर	उत्तराषाढ़ा	05:48:11

मासाधिपति

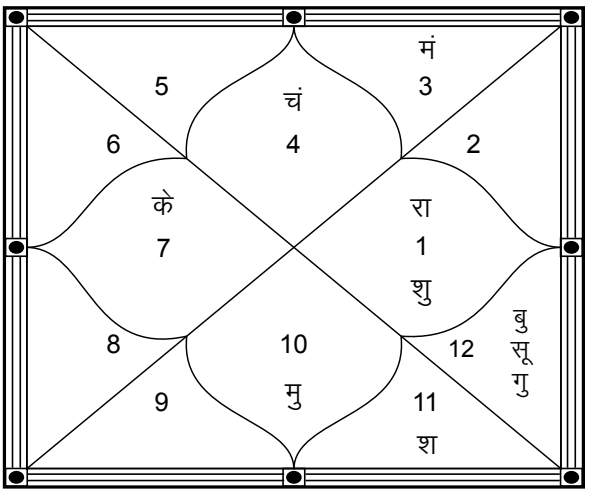

मासाधिपति : शुक्र

यह मास आपके लिए विशेष अच्छा नहीं रहेगा तथा अशुभ फल अधिक मात्रा में प्राप्त होंगे। इस समय आप स्त्री एवं बन्धुवर्ग से कष्ट की प्राप्ति करेंगे तथा शत्रुपक्ष से भी आपको भय तथा चिन्ता बनी रहेगी जिससे आप मानसिक रूप से भी आप अशान्त रहेंगे ।साथ ही आप में उत्साह के भाव की भी अल्पता रहेगी तथा धन व्यय भी अधिक मात्रा में होगा जिससे आर्थिक संकट भी बना रहेगा। शारीरिक रूप से भी आप अस्वस्थ रहेंगे एवं मन में लोभ के भाव की प्रबलता रहेगी। अपने मित्र एवं बन्धुजनों से भी आपका परस्पर मनमुटाव रहेगा तथा ऐसे समय पर मित्र भी शत्रु की तरह व्यवहार करेंगे जिससे आप आन्तरिक कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे। इसके अतिरिक्त अन्य समाजिक या बन्धुजनों से भी वादविवाद आदि की भी सम्भावना बनी रहेगी। अतः आपका यह समय कष्टपूर्वक ही व्यतीत होगा।

साथ ही इस समय आप वायु से उत्पन्न होने वाले रोगों से अस्वस्थ रहेंगे तथा जाने या अनजाने में किसी ऐसे कार्य को सम्पन्न कर सकते हैं जिसके लिए बाद में आपको पश्चाताप करना पड़े। इससे आपकी समाजिक अवमानना भी होगी। इसके अतिरिक्त इस समय आप अग्नि के द्वारा न्यूनाधिक मात्रा में धन हानि भी प्राप्त करेंगे। अतः सावधानी पूर्वक अपने कार्य कलापों को सम्पन्न करें।

पंचम् मास

01/05/2023 05:19:49 से 01/06/2023 07:54:44 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मीन	रेवती	29:46:02
सूर्य		मेष	भरणी	16:11:40
चन्द्र		सिंह	पू०फाल्गुनी	20:18:07
मंगल		मिथुन	पुनर्वसु	24:48:48
बुध	व	मेष	भरणी	17:46:47
गुरु		मेष	अश्विनी	02:09:01
शुक्र		वृष	मृगशिरा	28:29:11
शनि		कुम्भ	शतभिषा	11:13:27
राहु		मेष	अश्विनी	09:50:36
केतु		तुला	स्वाति	09:50:36
मुंथा		मकर	उत्तराषाढ़ा	08:18:11

मासाधिपति : शनि

मासाधिपति

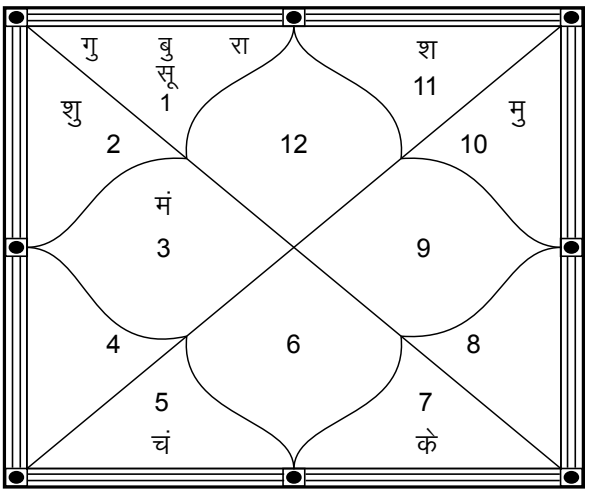

इस मास को आप सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत करेंगे। इस समय आप स्त्री वर्ग से पूर्ण लाभ एवं सहयोग अर्जित करने में सफल रहेंगे। साथ ही सौभाग्य से भी आप युक्त रहेंगे जिससे आपके समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य यथा समय सिद्ध होंगे ।सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से लाभार्जन करने में भी इस मास में सफलता प्राप्त करेंगे ।शारीरिक रूप से आप पूर्ण स्वस्थ रहेंगे तथा मन भी प्रसन्नता से युक्त रहेगा। अध्ययन या ज्ञानार्जन में भी आपकी तीव्र रूचि रहेगी। मित्रों तथा संबधियों से आपके संबध मधुर एवं घनिष्ठ रहेंगे तथा उनसे पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त करेंगे। इस मास आपको वांछित द्रव्यों की प्राप्ति होगी जिसके उपभोग से आप सुखी तथा निश्चिंत रहेंगे। साथ ही बन्धु वर्ग में प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा असफल आशाओं में भी आप सफलता प्राप्त करेंगे।

साथ ही इस मास में आप स्त्री का पूर्ण सुख प्राप्त करेंगे तथा अन्य महिला सहयोगियों से भी वांछित सहयोग प्राप्त करेंगे जिससे आपके कई शुभ कार्य सिद्ध होंगे। आपकी बुद्धि में इस समय निर्मलता के भाव की वृद्धि होगी तथा उचित धन लाभ एवं सुख प्राप्त करने में भी आप सफल रहेंगे। इसके अतिरिक्त धर्म के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा की भावना उत्पन्न होगी तथा समाज में आप पूर्ण यश अर्जित करने में सफल रहेंगे।

षष्ठ मास

01/06/2023 07:54:44 से 02/07/2023 17:36:17 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मिथुन	आर्द्रा	12:06:11
सूर्य		वृष	रोहिणी	16:11:40
चन्द्र		तुला	स्वाति	07:16:20
मंगल		कर्क	पुष्य	12:24:27
बुध		मेष	भरणी	21:45:02
गुरु		मेष	अश्विनी	09:14:10
शुक्र		कर्क	पुनर्वसु	01:29:34
शनि		कुम्भ	शतभिषा	12:48:07
राहु		मेष	अश्विनी	09:26:30
केतु		तुला	स्वाति	09:26:30
मुंथा		मकर	श्रवण	10:48:11

मासाधिपति : शनि

मासाधिपति

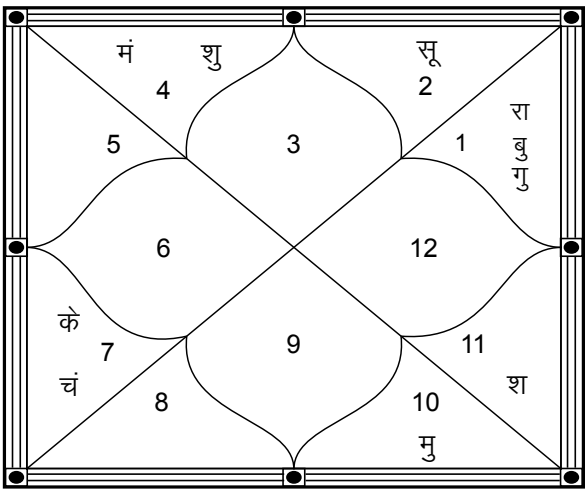

यह मास आपके लिए सामान्यतया अशुभ ही रहेगा अतः इस समय शत्रु पक्ष से आप चिन्तित तथा भयभीत रहेंगे तथा आपके लिए वे अनावश्यक समस्याएं भी उत्पन्न करेंगे। साथ ही इस समय आपके घर में चोरी होने की भी संभावना रहेगी तथा अनावश्यक व्यय भी होगा एवं शुभ कार्यो में विध्न बाधाएं भी उत्पन्न होंगी। आपकी आर्थिक स्थिति भी इस समय अच्छी नहीं रहेगी एवं धर्म के प्रति भी आपके मन में विशेष श्रद्धा का भाव नहीं रहेगा तथा इसके अनुपालन में भी उपेक्षा का भाव रखेंगे। आप इस समय शरीर से भी अस्वस्थ रहेंगे एवं कई प्रकार से कष्ट भी प्राप्त करेंगे जिससे आपकी शारीरिक शक्ति में अल्पता आएगी। इस मास में आप दूर की किसी यात्रा को भी संम्पन्न कर सकते है। सांसारिक कार्यो में भी आप कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे तथा मुकद्दमे आदि में भी धन व्यय होगा अतः मानसिक रूप से भी आप असन्तुष्ट रहेंगे।

साथ ही इस मास में आप गर्मी या पित्त दोष से उत्पन्न रोगों से कष्ट प्राप्त करेंगे। इस समय किसी प्रकार का रक्त विकार भी हो सकता है तथा अग्नि आदि से भी आप धन हानि प्राप्त कर सकते है। अतः सतर्कता पूर्वक अपने समय को व्यतीत करें जिससे अनावश्यक कष्ट तथा बाधाएं उत्पन्न न हों।

सप्तम् मास

02/07/2023 17:36:17 से 03/08/2023 04:01:15 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		वृश्चिक	ज्येष्ठा	23:15:33
सूर्य		मिथुन	आर्द्रा	16:11:40
चन्द्र		धनु	मूल	02:37:12
मंगल		सिंह	मघा	00:59:11
बुध		मिथुन	आर्द्रा	17:46:23
गुरु		मेष	भरणी	15:21:31
शुक्र		कर्क	आश्लेषा	27:31:38
शनि	व	कुम्भ	शतभिषा	12:50:56
राहु	व	मेष	अश्विनी	07:25:00
केतु	व	तुला	स्वाति	07:25:00
मुंथा		मकर	श्रवण	13:18:11

मासाधिपति : शनि

मासाधिपति

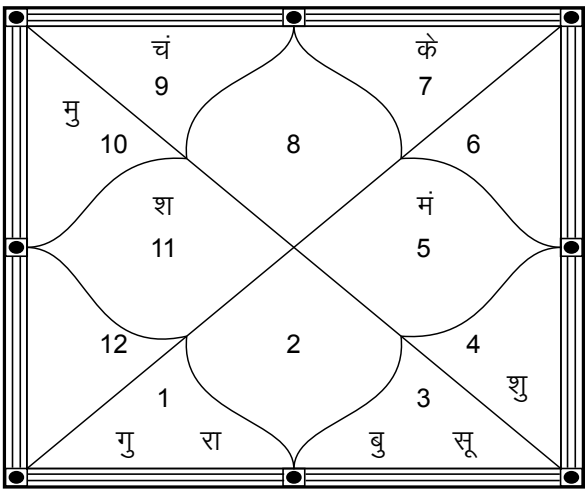

यह मास आपके लिए उत्तम फल प्रदान करने वाला रहेगा। इस समय आप अपने पराक्रम से धनार्जन करेंगे तथा अन्य प्रकार से भी विविध सुखों का उपभोग करने में सफल रहेंगे। साथ ही समाज से आपको उचित मान सम्मान तथा प्रतिष्ठा की प्राप्ति होगी। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में पूर्ण श्रद्धा रहेगी तथा इनका पूजन तथा सत्कार भी आप करते रहेंगे तथा समाज में दूसरे लोगों के परोपकार के लिए भी आप कार्यो को सम्पन्न करते रहेंगे। इस मास में आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहेगा तथा उच्चाधिकारी वर्ग से आप आश्रय प्राप्त करेंगे फलतः आपके यश में वृद्धि होगी तथा पदोन्नति की संभावना बनेगी। साथ ही भाई बहिनों से आप इस समय वांछित सुख तथा सहयोग प्राप्त करने में सफल रहेंगे। इसके अतिरिक्त आपके मानसिक संकल्प तथा मनोकामनाएं भी इस समय पूर्ण होंगी जिससे आप हृदय से प्रसन्नता की अनुभूति करेंगे ।

साथ ही इस मास में आप स्त्री तथा पुत्र से पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त करेंगे। इस समय आपको नवीन वस्त्रों या द्रव्यों की उपलब्धि भी हो सकती है। अतः यह मास आपके लिए पूर्णतया सुख शान्ति एवं प्रसन्नता प्रदान करने वाला सिद्ध होगा।

अष्टम् मास

03/08/2023 04:01:15 से 03/09/2023 08:32:09 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मिथुन	आर्द्रा	15:18:40
सूर्य		कर्क	पुष्य	16:11:40
चन्द्र		कुम्भ	धनिष्ठा	02:55:03
मंगल		सिंह	पू०फाल्गुनी	20:15:26
बुध		सिंह	मघा	12:31:07
गुरु		मेष	भरणी	19:41:51
शुक्र	व	सिंह	मघा	02:05:24
शनि	व	कुम्भ	शतभिषा	11:24:19
राहु	व	मेष	अश्विनी	04:01:20
केतु	व	तुला	चित्रा	04:01:20
मुंथा		मकर	श्रवण	15:48:11

मासाधिपति : शनि

मासाधिपति

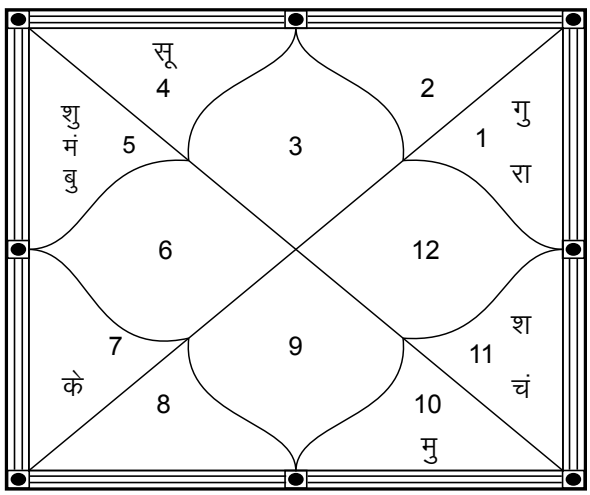

इस मास में आप शुभाशुभ दोनों प्रकार के फलों को अर्जित करेंगे। इस समय शत्रुपक्ष से आप भयभीत तथा चिन्तित रहेंगे एवं घर में किसी प्रकार की चोरी आदि होने की भी संभावना रहेंगी। इस समय आपका धन अधिक मात्रा में व्यय होगा जिससे आप आर्थिक कष्ट प्राप्त कर सकते हैं। धर्म के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा की अपेक्षा उपेक्षा का भाव ही अधिक रहेगा। इस मास में आपका स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा एवं विविध प्रकार से आप शारीरिक तथा मानसिक कष्टों को प्राप्त करेंगे जिससे शरीर में दुर्बलता स्पष्ट रूप से परिलक्षित होगी। इस समय आप दूर या समीप की कोई यात्रा भी सम्पन्न कर सकते हैं।आपके सांसरिक कार्य इस मास में अल्प मात्रा में ही पूर्ण होंगे तथा मुकद्दमे आदि में भी व्यय अधिक होगा। अतः सावधानी एवं सतर्कता पूर्वक अपने कार्य कलापों को सम्पन्न करें।

परन्तु अशुभ फलों के साथ साथ आपको समय समय पर शुभफल भी प्राप्त होंगे।अतः आप स्त्री का पूर्ण सुख प्राप्त करेंगे एवं महिला सहयोगियों से भी लाभार्जन करेंगे। आपकी बुद्धि में भी निर्मलता का भाव विद्यमान रहेगा एवं धनार्जन प्रचुर मात्रा में होता रहेगा। इस मास में धर्म का भी आप अनुपालन करेंगे तथा समाज में आपको पूर्ण यश प्राप्त होगा।

नवम् मास

03/09/2023 08:32:09 से 04/10/2023 02:17:06 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		कन्या	हस्त	15:38:24
सूर्य		सिंह	पू०फाल्गुनी	16:11:40
चन्द्र		मीन	रेवती	28:45:01
मंगल		कन्या	हस्त	10:02:18
बुध	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	22:37:24
गुरु		मेष	भरणी	21:23:33
शुक्र	व	कर्क	आश्लेषा	18:02:06
शनि	व	कुम्भ	शतभिषा	09:08:17
राहु	व	मेष	अश्विनी	01:31:48
केतु	व	तुला	चित्रा	01:31:48
मुंथा		मकर	श्रवण	18:18:11

मासाधिपति : चन्द्र

मासाधिपति

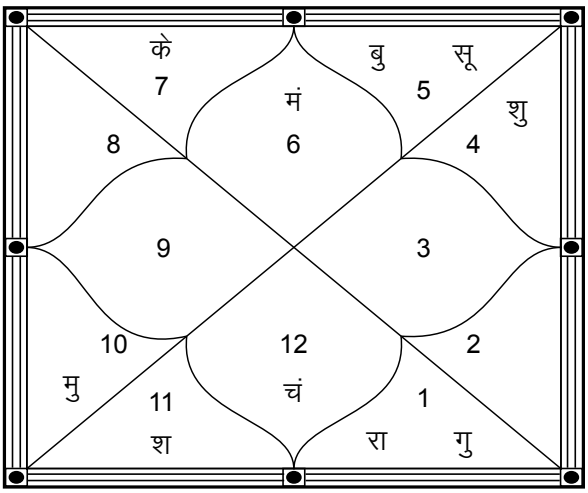

इस मास में आपकी बुद्धि में निर्मलता के भाव की वृद्धि होगी तथा आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य बुद्धिमता से ही सफल होंगे। इस समय आप कई प्रकार से द्रव्यार्जन करने में समर्थ होंगे तथा पुत्र संतति से पूर्ण सुख तथा सहयोग प्राप्त करेंगे। इस मास में ज्ञानार्जन में भी आपकी रूचि रहेगी तथा इसमें आप सफल भी होंगे। आपके प्रभुत्व में इस समय वृद्धि होगी एवं सभी लोग आपकी योग्यता को स्वीकार करेंगे। इस मास में आपके कई शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य सिद्ध होंगे तथा कहीं से शुभ समाचार भी मिलेगा जिससे आपको प्रसन्नता की प्राप्ति होगी। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा की भावना उत्पन्न होगी तथा विधिपूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा करेंगे। इसके साथ ही सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से आप वांछित सहयोग तथा लाभार्जन करने में भी सफल रहेंगे। इस समय समाज से आपको पूर्ण प्रतिष्ठा प्राप्त होगी। अतः मानसिक रूप से आप शान्त तथा प्रसन्न रहेंगे।

परन्तु शुभफलों के साथ साथ यदाकदा इस मास में अशुभ फल भी घटित होंगे।अतः आप गर्मी या पित से उत्पन्न होने वाली बीमारियों से शारीरिक कष्ट प्राप्त करेंगे। साथ ही इस समय आप रक्त विकार से भी पीड़ित हो सकते है। अतः अपने समस्त सांसारिक कार्यकलापों को करने में सतर्कता का अनुपालन करें जिससे अनावश्यक समस्याएं उत्पन्न न हो सकें।

दशम् मास

04/10/2023 02:17:06 से 03/11/2023 07:30:40 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		कर्क	पुष्य	16:30:24
सूर्य		कन्या	हस्त	16:11:40
चन्द्र		वृष	रोहिणी	14:32:19
मंगल		तुला	चित्रा	00:13:54
बुध		कन्या	उ०फाल्गुनी	03:49:24
गुरु	व	मेष	भरणी	19:59:39
शुक्र		सिंह	मघा	01:34:20
शनि	व	कुम्भ	शतभिषा	07:08:30
राहु		मेष	अश्विनी	00:44:53
केतु		तुला	चित्रा	00:44:53
मुंथा		मकर	श्रवण	20:48:11

मासाधिपति

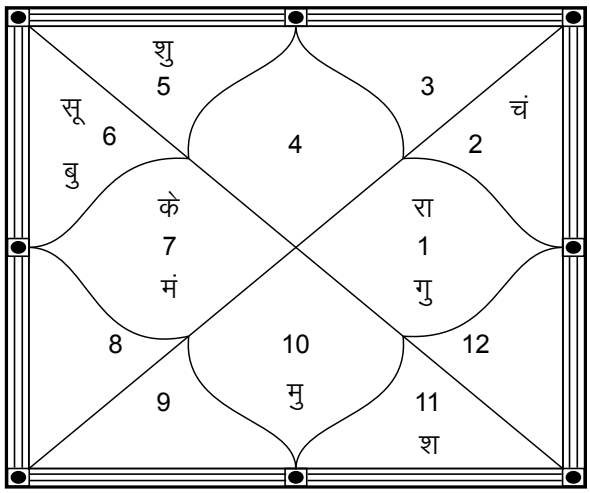

मासाधिपति : मंगल

यह मास आपके लिए विशेष अच्छा नहीं रहेगा तथा अशुभ फलों की अपेक्षा शुभ फल अल्प मात्रा में घटित होंगे। इस समय स्त्री तथा स्त्रीपक्ष से कष्ट प्राप्त करेंगे या पत्नी को किसी प्रकार के कष्ट होने की संभावना रहेगी। साथ ही शत्रुपक्ष से भी आप चिन्तित तथा भयभीत रहेंगे। इस मास में आपके उत्साह में कमी आएगी तथा धन का व्यय भी अधिक मात्रा में होगा फलतः आर्थिक रूप से भी कमजोर रहेंगे। साथ ही आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य अत्यंत ही परिश्रम के बाद अल्प मात्रा में ही सिद्ध होंगे फलतः मानसिक रूप से भी आप अशान्त तथा बैचेन रहेंगे। शारीरिक अस्वस्थता के साथ साथ आपके मन में लोलुपता के भाव की भी वृद्धि होगी। अपने बन्धु एवं मित्र वर्ग से आपके अच्छे संबध नहीं रहेंगे एवं परस्पर मनमुटाव रहेगा। ऐसे समय में मित्र भी शत्रुओं के समान व्यवहार करेंगे। इसके अलावा समाज में अन्य लोगों के साथ वाद विवाद तथा संघर्ष होता रहेगा जिससे सामाजिक सम्मान में भी न्यूनता का भाव रहेगा।

परन्तु इस मास में अशुभ फलों के साथ साथ शुभफल भी घटित होंगे।अतः आप महिला वर्ग से पूर्ण सहयोग तथा लाभ अर्जित करने में सफल रहेंगे। साथ ही इस समय परिश्रम पूर्वक धनार्जन एवं लाभ प्राप्त करने में भी आप सफलता प्राप्त कर सकेंगे। इसके अतिरिक्त धर्मानुपालन में भी आप की रूचि उत्पन्न होगी तथा समाज में न्यूनाधिक प्रतिष्ठा अर्जित करने में सफल रहेंगे।

एकादश मास

03/11/2023 07:30:40 से 03/12/2023 01:50:34 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		तुला	विशाखा	26:54:01
सूर्य		तुला	स्वाति	16:11:40
चन्द्र		मिथुन	पुनर्वसु	20:48:38
मंगल		तुला	विशाखा	20:48:53
बुध		तुला	विशाखा	24:46:55
गुरु	व	मेष	भरणी	16:20:16
शुक्र		कन्या	उ०फाल्गुनी	00:06:04
शनि	व	कुम्भ	धनिष्ठा	06:19:38
राहु	व	मेष	अश्विनी	00:35:23
केतु	व	तुला	चित्रा	00:35:23
मुंथा		मकर	श्रवण	23:18:11

मासाधिपति

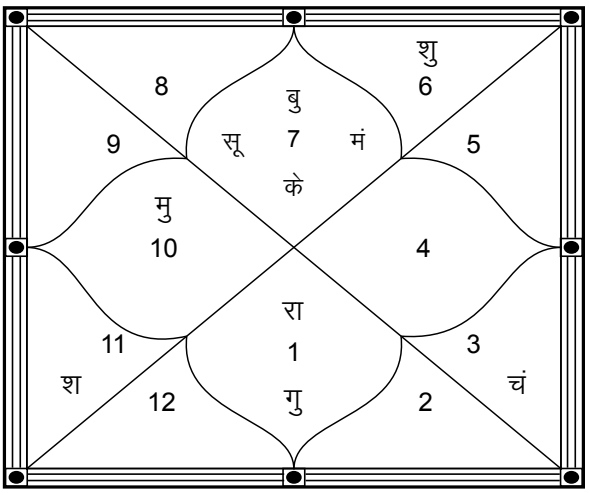

मासाधिपति : शनि

यह मास आपके लिए सामान्यतया अच्छा नहीं रहेगा तथा शुभ फलों की अपेक्षा अशुभ फल ही अधिक मात्रा में प्राप्त करेंगे। इस समय आपका स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा फलतः शरीर में दुर्बलता विद्यमान रहेगी। साथ ही दुश्मन भी बलवान रहेंगे अतः उनकी ओर से आप भयभीत तथा चिन्तित रहेंगे जिससे मानसिक रूप से भी आप अशान्ति की अनुभूति करेंगे। इस मास में आपके कार्य क्षेत्र में न्यूनता रहेगी तथा कार्य क्षेत्र में परिवर्तन या कोई कार्य छूट सकता है या बंद भी हो सकता है। साथ ही समाज में अन्य जनों से आपके विशेष मधुर संबध नहीं रहेंगे तथा परस्पर वैमनस्य का भाव रहेगा जिससे सामाजिक सम्मान में भी न्यूनता आएगी। इसके अतिरिक्त अन्य प्रकार से भी धन हानि होने की संभावना रहेगी एवं शरीर में कोई रोग भी उत्पन्न हो सकता है। अतः सावधानी तथा बुद्धिमता पूर्वक अपने कार्यो को सम्पन्न करें जिससे अनावश्यक समस्याएं उत्पन्न न हो सकें।

परन्तु इस मास में अशुभ फलों के मध्य शुभ फल भी प्राप्त होंगे। इससे आप स्त्री तथा पुत्र से पूर्ण सहयोग तथा सुख प्राप्त करेंगे एवं उच्चाधिकारी वर्ग से भी न्यूनाधिक सहयोग मिलता रहेगा। इसके साथ ही इस समय आप अपनी बुद्धिमता से धनार्जन एवं सुख प्राप्त करने में सफलता अर्जित कर सकेंगे।

द्वादश मास

03/12/2023 01:50:34 से 01/01/2024 13:39:02 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		कन्या	उ०फाल्गुनी	05:14:02
सूर्य		वृश्चिक	अनुराधा	16:11:40
चन्द्र		कर्क	आश्लेषा	20:09:13
मंगल		वृश्चिक	अनुराधा	11:49:53
बुध		धनु	मूल	07:14:49
गुरु	व	मेष	अश्विनी	12:44:28
शुक्र		तुला	चित्रा	03:32:17
शनि		कुम्भ	शतभिषा	07:01:35
राहु	व	मीन	रेवती	29:31:39
केतु	व	कन्या	चित्रा	29:31:39
मुंथा		मकर	धनिष्ठा	25:48:11

मासाधिपति : बुध

मासाधिपति

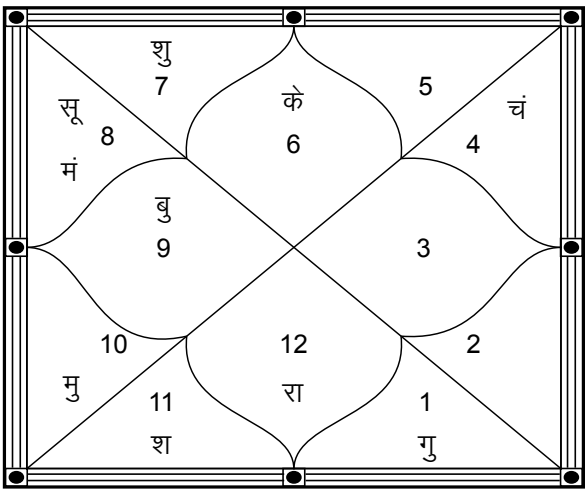

यह मास आपके लिए अत्यंत ही शुभ एवं प्रसन्नता प्रदान करने वाला रहेगा इस समय आपकी बुद्धि में निर्मलता के भाव की वृद्धि होगी तथा आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य भी बुद्धिमता से ही सम्पन्न होंगे। इस समय आप विविध प्रकार से द्रव्य अर्जित करेंगे। साथ ही पुत्र संतति से आपको इस मास में पूर्ण सुख तथा सहयोग प्राप्त होगा। ज्ञानार्जन में भी आपकी रूचि उत्पन्न होगी तथा इसमें आप सफल भी रहेंगे।आपके प्रभुत्व में भी इस समय वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपकी श्रेष्ठता को हृदय से स्वीकार करेंगे तथा आपको यथोचित सम्मान भी प्रदान करेंगे। इस समय आपके कई महत्वपूर्ण कार्य सफल होंगे तथा कहीं से कोई शुभ समाचार भी प्राप्त होगा जिससे आपको हार्दिक प्रसन्नता की अनुभूति होगी।देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा उत्पन्न होगी तथा विधिपूर्वक आप उनकी पूजा तथा सेवा करते रहेंगे। इसके साथ ही उच्चाधिकारी वर्ग से आपको यथोचित सम्मान तथा सहयोग भी प्राप्त होगा साथ ही समाज में भी आपके यश तथा प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

साथ ही इस मास में आप स्त्री से आवश्यक सहयोग अर्जित करेंगे तथा अपनी बुद्धिचातुर्य से प्रचुर मात्रा में धनार्जन तथा सुखार्जन में सफल रहेंगे। धर्म के प्रति भी आप श्रद्धावान रहेंगे तथा समाज में आदरणीय समझे जाएंगे।